स्व0 रानी कृष्णा कुमारी देवी स्मृति भाषणमाला

दान दाता– राव साहब चुरहट श्री रणबहादुर सिंह

दान राशि– रुपये 1,20,000 (एकलाख बीस हजार रुपये)

रानी साहिबा कृष्णा कुमारी देवी का जन्म मध्यप्रदेश के झाबुआ जिले के खवासा ग्राम में 4 अप्रैल 1929 को हुआ। आपके पिता महाराजा, दिलीप सिंह जी खवासा के जागीरदार थे। 1944 में झाबुआ राज्य के निःसंतान महाराज उदय सिंह जी के मृत्यु के पश्चात् दिलीप सिंह जी महाराज हुए। महाराजा दिलीप सिंह जी की छः संतानों में कृष्णा कुमारी जी सबसे बड़ी संतान थीं। आपकी शिक्षा–दीक्षा झाबुआ के राजमहल में शिक्षिकाओं द्वारा सम्पन्न हुई। कृष्णा कुमारी जी का विवाह चुरहट के राव साहब के परिवार में ज्येष्ठ पुत्र श्री रण बहादुर सिंह जी के साथ 27 जनवरी 1947 में हुआ। आपने दो संतानों – एक पुत्र तथा एक पुत्री को जन्म दिया।

रानी साहिबा जीवन भर एक आदर्श गृहणी रहीं। आपके जीवन में उच्च कोटि के मूल्यों के प्रति न केवल आदरभाव था बल्कि आपका जीवन ही इन मूल्यों को नई पीढ़ी में दृढ़ता से स्थापित करने हेतु समर्पित रहा।

रानी साहिबा के जीवन में इन्हीं मूल्यों की गहनतम् उपस्थिति का स्पष्ट प्रभाव इसी से सिद्ध होता है कि आप चाहे खवासा के छोटे से भवन में रही हों अथवा झाबुआ के विशाल राजभवन में अथवा जीवन के अन्तिम बारह वर्षों में अपने पति श्री राव साहब चुरहट के साथ चिन्मय आश्रम के एक कमरे में रही हो, आपकी ईश्वर भक्ति तथा प्रसन्नता में कोई अन्तर नहीं आया। आप जीवन भर कर्मयोगी बनी रही।

जीवन के उन्हीं उच्च मूल्यों को विन्ध्य क्षेत्र के विद्यार्थियों में स्थापित करने के उद्देश्य से इस भाषण माला का आयोजन प्रारम्भ किया गया है।